'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' महानाट्य में शामिल हुए लोक निर्माण मंत्री

डॉ. हेडगेवार का जीवन राष्ट्र निर्माण, संगठन शक्ति और समर्पण की प्रेरणा है: मंत्री राकेश सिंह

जबलपुर। किसी भी व्यक्ति के कार्यों का सही मूल्यांकन उसके विचारों और उनके दीर्घकालीन प्रभाव से होता है। डॉ. हेडगेवार ने अपने 51 वर्ष के जीवन में मात्र 15 वर्षों के संघ कार्य के माध्यम से जिस संगठन की नींव रखी, वह आज विश्व के लिए आश्चर्य का विषय है। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जैसे महान व्यक्तित्व के बारे में बोलना सौभाग्य के साथ-साथ जिम्मेदारी का विषय है यह बात नाथ ब्रह्म नागपुर द्वारा रचित एवं संस्कार भारती जबलपुर महानगर द्वारा आयोजित युगप्रवर्तक डॉ हेडगेवार नाट्य मंचन के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मानस भवन में कही।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह मानस भवन में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आद्य सरसंघचालक 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' विषय पर आधारित महानाट्य मंचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति श्री दिनेश कुमार पालीवाल, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रान्त संघ चालक डॉ प्रदीप गुप्ता, उद्योगपती डॉ कैलाश गुप्ता, संस्कार भारती के महानगर अध्यक्ष प्रभात दुबे थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि डॉ. हेडगेवार के मन में बचपन से ही देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण का संकल्प था। उन्होंने क्रांतिकारी के रूप में कार्य किया, शिक्षा के लिए कलकत्ता गए और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। बाद में देश की आजादी के लिए कार्य किया तथा वर्ष 1930 में जंगल कानून के विरोध में सत्याग्रह करने पर एक वर्ष का कठोर कारावास भी भुगता। उन्होंने कहा कि डॉ. हेडगेवार केवल देश की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि स्वतंत्र भारत के निर्माण को लेकर भी चिंतित थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की और अपना पूरा जीवन राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण तथा संगठन निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। उनके प्रयासों का परिणाम है कि आज संघ विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में शामिल है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि यदि हम डॉ. हेडगेवार के जीवन से थोड़ी भी प्रेरणा लेकर उसे अपने जीवन में अपनाएं, तो यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महानाट्य के माध्यम से उनके जीवन और विचारों को समझना अधिक सहज होगा तथा यह प्रस्तुति समाज और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक बनेगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजकों ने बताया कि नागपुर के 'नादब्रह्म' द्वारा निर्मित 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' (संघ सृजन का भव्य नाट्य आविष्कार) महानाट्य का यह 57वां मंचन है तथा इसकी 151 प्रस्तुतियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में इसका सफल मंचन हो चुका है। मध्यप्रदेश में यह इसका आठवां प्रदर्शन रहा। इस महानाट्य के संयोजक निखिल देशकर, संरक्षक श्री रविजी भुसारी (ज्येष्ठ प्रचारक, रा.स्व.संघ), निर्माता पद्माकर धानोरकर, लेखक डॉ. अजय प्रधान, निर्देशक सुबोध सुर्जकर और संगीत शैलेश दाणी द्वारा तैयार किया गया था। कार्यक्रम का संचालन संस्कार भारती के महाकौशल प्रांत सह महामंत्री निखिल देशकर ने किया। कार्यक्रम में प्रांत उपाध्यक्ष विजय श्री मिश्रा, कोषाध्यक्ष मदन पटेल, सह कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ शुक्ला, महानगर अध्यक्ष श्रीमती माला सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रभात दुबे, कमलेश यादव, प्रियंका मिश्रा, सौरभ दुबे, आदेश सिंह, साधना तिवारी, आरती दिक्षित, शैलजा सुल्लेरे, कुसुम चौबे, राजेश खरे, मुनीश जैन ने योगदान दिया। कार्यक्रम में महाकौशल प्रांत के प्रांत संचालक , विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पाण्डेय, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, प्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, डॉ. जितेन्द्र जामदार, भाजपा के प्रदेश दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संदीप रजक, भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू सहित गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

भेड़ाघाट नगर परिषद में कांग्रेस सेवा दल का प्रभात फेरी एवं विजय मार्च संपन्न

छात्र आंदोलन की सफलता पर मनाया गया विजय दिवस

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष श्री संजय यादव के नेतृत्व में भेड़ाघाट नगर परिषद क्षेत्र में कांग्रेस सेवा दल द्वारा प्रभात फेरी एवं विजय मार्च का आयोजन किया गया। पद संचलन नगर परिषद के विभिन्न मार्गों से होते हुए टाउन हॉल परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन नगर परिषद अध्यक्ष श्री चतुर सिंह लोधी, श्री शिव नामदेव एवं श्री सतीश तिवारी ने किया। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के प्रवक्ता विवेक यादव ने बताया कि देशभर में छात्रों के आंदोलन की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के उपरांत इसे छात्रों की आवाज़ एवं लोकतांत्रिक संघर्ष की जीत मानते हुए कांग्रेस सेवा दल द्वारा विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष श्री संजय यादव ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सदैव छात्रों के अधिकारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज़ को दबाने के बजाय उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार का दायित्व है। लोकतंत्र में जनआंदोलनों की सफलता जनता की शक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की विजय का प्रतीक होती है। पद संचलन के माध्यम से कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने संगठन की एकजुटता, अनुशासन, सेवा भावना एवं जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस सेवा दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे: श्री संजय यादव, दिनेश यादव, राधेश्याम चौबे, राजेश तिवारी, वीरेंद्र चौबे, रूपेंद्र पटेल, बबुआ शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पार्षद गुड्डा चौबे, गुड्डू नवी, पार्षद झल्ले लाल जैन, संगठन महासचिव राजेश पटेल, विवेक पटेल, विवेक अवस्थी, नन्हा राय, रामविलास कारसोलिया, सोनेलाल पटेल, नेक नारायण पटेल, जयंत जैन, कोड़ीलाल राय, वीरेंद्र यादव, सुनील जैन, रहमान खान, किशोर दुबे, जमना पटेल, आशीष जैन, दिलीप राय, परमलाल अहिरवासी, प्रमोद पटेल, राजकिशोर पटेल, शरद गौर, राजेश चौबे, मुकुल खम्परिया, प्रवीण चौबे, सुकृति त्रिपाठी, ऋषि पटेल, मदन लारिया, राजेश पटेल, रामेश्वर गिरी, नेक नारायण सिंह, सुभाष पटेल, मुन्नी बाई, संतोष डहेरिया, सोनू दुबे, अजीत परिहार, रिकू तिवारी, फिरोज खान,दुर्जन पटेल, डॉ. हिमांशु गुप्ता, प्रदीप पटेल, मनीष शर्मा एवं इंद्र कुमार श्रीपाल उपस्थित रहे।

सद्गुरु ऋतेश्वरजी महाराज के दिव्य सान्निध्य में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महा-महोत्सव का भव्य आयोजन

जबलपुर। **गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक चेतना के पावन पर्व गुरु पूर्णिमा के अवसर पर परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज, पीठाधीश्वर श्री आनंदम धाम पीठ के दिव्य सान्निध्य में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महा-महोत्सव का भव्य आयोजन 27 जुलाई को शाम 4 बजे मानस भवन, राइट टाउन, जबलपुर (मध्य प्रदेश) में किया जा रहा है।**

यह महोत्सव श्रद्धा, भक्ति, सेवा एवं आध्यात्मिक जागरण का दिव्य संगम होगा, जिसमें देशभर से हजारों श्रद्धालु, संत-महात्मा, समाजसेवी, युवा एवं गणमान्य नागरिक सम्मिलित होकर सद्गुरु के पावन आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करेंगे।कार्यक्रम में गुरुदेव का भव्य आगमन, दीप प्रज्ज्वलन, गुरु पूजन, महाआरती, पद पूजन, परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज का दिव्य प्रवचन, भजन संध्या, आशीर्वाद समारोह एवं महाप्रसाद सहित अनेक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस भव्य समारोह में , मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति श्री अहलूवालिया जी, लोकप्रिय डिजिटल क्रिएटर Golden Guys Sunny, Longhair Brotherhood के डिजिटल क्रिएटर्स एवं प्रोड्यूसर्स विशाल पांडेय एवं आकाश शुक्ला, तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध द टर्बन ट्रैवलर (The Turban Traveller) के नाम से विख्यात अमरजीत सिंह चावला, जिन्होंने सड़क मार्ग से 70 से अधिक देशों की यात्रा कर भारत की संस्कृति, पर्यटन और "वसुधैव कुटुम्बकम्" के संदेश को वैश्विक स्तर पर पहुँचाया है, की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है। इन सभी विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति आध्यात्मिकता, भारतीय संस्कृति, युवा शक्ति एवं वैश्विक सद्भाव का प्रेरणादायी संदेश देगी। परमपूज्य सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज वर्षों से मानवता, सेवा, सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक जागरण एवं "वसुधैव कुटुम्बकम्" के दिव्य संदेश का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में आयोजित यह गुरु पूर्णिमा महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं, नागरिकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे इस दिव्य अवसर पर अपने परिवार सहित उपस्थित होकर सद्गुरु के पावन आशीर्वाद का लाभ प्राप्त करें तथा गुरु-शिष्य परंपरा के इस महापर्व के साक्षी बनें। **आयोजन समिति** – रजनेश दुबे, विवेक सिंह, पंकज सिंह राजपूत,रोशन अग्रवाल, धरम गौतम, अर्पित पांडे, रमेश श्रीवास काका जी, अनीश तिवारी, नर्मदा पांडे, कपिल दुबे।

प्लॉट दिलाने के नाम पर रिटायर्ड कर्मचारी से 8 लाख की ठगी

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र में प्लॉट दिलाने का झांसा देकर एक रिटायर्ड कर्मचारी से 8 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बरेला थाना पुलिस के अनुसार द्वारका नगर निवासी 84 वर्षीय जीवनलाल मलिक ने वर्ष 2020 में एचएफ इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के माध्यम से 900 वर्गफीट का प्लॉट खरीदने के लिए 8 लाख रुपये जमा किए थे। कंपनी के संचालक नैंसी स्वामी और अनूप मिश्रा ने 10 से 15 दिन में रजिस्ट्री कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन न तो प्लॉट दिया गया और न ही रुपये लौटाए गए। बाद में दोनों से संपर्क भी नहीं हो सका। पुलिस ने आरोपी नैंसी स्वामी एवं अनूप मिश्रा के खिलाफ धारा 420 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

27वाँ कारगिल विजय दिवस:

वीरता और सर्वोच्च बलिदान को पूरे सम्मान के साथ किया याद

जबलपुर। 27वें कारगिल विजय दिवस के मौके पर मुख्यालय मध्य भारत एरिया ने भारतीय सशस्त्र बलों के उन बहादुर सैनिकों के बेमिसाल साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान को पूरे सम्मान के साथ याद किया, जिन्होंने 1999 में कारगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय) के दौरान देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। हर साल 26 जुलाई को मनाया जाने वाला 'कारगिल विजय दिवस', 'ऑपरेशन विजय' की सफल समाप्ति का प्रतीक है। इस ऑपरेशन के ज़रिए भारतीय सशस्त्र बलों ने लद्दाख के कारगिल-द्रास-बटालिक सेक्टर में उन रणनीतिक ऊंचाइयों को वापस हासिल किया था, जिन पर पाकिस्तानी सेना ने अवैध रूप से कब्ज़ा कर लिया था। बेहद खराब मौसम और बर्फ से ढकी खतरनाक पहाड़ी चोटियों पर 16,000 फीट से ज़्यादा की ऊंचाई पर लड़ते हुए, भारतीय सैनिकों ने असाधारण साहस, अटूट संकल्प और बेहतरीन पेशेवर रवैया दिखाया और आखिरकार दुश्मन के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। यह जीत भारी कीमत पर मिली; इस संघर्ष के दौरान 527 बहादुर सैनिकों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जबकि 1,363 जवान घायल हुए। इस ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में तथा कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मध्य भारत एरिया, राघवेन्द्र सिंह, आईएएस, जिलाधिकारी जबलपुर, श्री सम्पत उपाध्याय, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक जबलपुर एवं स्टेशन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सेवारत सैन्यकर्मियों, गणमान्य नागरिकों एवं उनके परिवारजनों के साथ मुख्यालय मध्य भारत एरिया, जबलपुर स्थित स्टेशन युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया।

आबकारी विभाग की कार्रवाई, 3.47 लाख रुपये का माल जब्त

बिना नंबर प्लेट कार से 81 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना नंबर प्लेट की मारुति स्विफ्ट कार से 81 बल्क लीटर अवैध देशी मसाला शराब बरामद की है। कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे के मार्गदर्शन में आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी परमानंद कोरचे के नेतृत्व में रविवार को बरोदा चौराहा पर मझौली से जबलपुर की ओर आने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की एक मारुति स्विफ्ट कार को रोककर तलाशी ली गई। वाहन से 450 पाव (81 बल्क लीटर) देशी मसाला शराब बरामद हुई। मौके से सिद्धार्थ कुर्मी (21) निवासी मेन रोड, नल के पास, मेहगंवा बरोदा, थाना पनागर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। आबकारी विभाग के अनुसार जब्त शराब की कीमत 47,700 तथा वाहन की अनुमानित कीमत 3,00,000 है। इस प्रकार कुल 3,47,700 मूल्य का माल जब्त किया गया।कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक आर.एस. मरावी, आशीष जैन, नरेंद्र उईके तथा आबकारी आरक्षक अभिषेक निरापुरे, आदित्य कौरव, लोकिक टीकम और जोगिंदर मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भ्रष्टाचार पर बिजली कंपनी का बड़ा एक्शन रिश्वत के आरोपी अभियंता को हटाया, जांच शुरू

जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए छिंदवाड़ा शहर में पदस्थ कार्यपालन अभियंता शरद बिसेन के खिलाफ बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। ठेकेदारों से बिल भुगतान के एवज में अवैध वसूली और गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के बाद कंपनी प्रबंधन ने उन्हें वर्तमान पद से हटाकर कार्यपालन अभियंता (प्रवर्तन), छतरपुर के पद पर स्थानांतरित कर दिया है। साथ ही 24 जुलाई 2026 से उनके विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ करते हुए आरोप पत्र भी जारी कर दिया गया है। कंपनी की जांच में प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि शरद बिसेन पर ठेकेदारों से सरकारी कार्यों और बिलों के भुगतान के बदले अवैध धनराशि मांगने के आरोप हैं। इन आरोपों को गंभीर मानते हुए प्रबंधन ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।बिजली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। भ्रष्टाचार या अनियमितता में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ बिना किसी रियायत के नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद बिजली कंपनी के महकमे में हलचल तेज हो गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह कदम पूरे विभाग के लिए स्पष्ट संदेश है कि भ्रष्टाचार के मामलों में अब किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

मोदी जी ने मन की बात में देश में हो रहे सकारात्मक और सृजनात्मक कार्यों का किया उल्लेख

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणादायक मन की बात कार्यक्रम के 136वें संस्करण को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ द्वारा क्षेत्रीय जनों के साथ महानगर के सभी 1041 बूथों में सुना गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान, बारिश की हर बूंद को सहेजने के कैच द रेन अभियान, कारगिल विजय दिवस, ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में विजयी बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की सफलता, विक्रम-1 के सफल लॉन्चिंग, महिलाओ द्वारा संचालित विदुर चाय उद्धम के साथ देश में हो रहें सकारात्मक परिवर्तनो और सृजनात्मक कार्यों पर देश को सम्बोधित किया. लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आज 'मन की बात' कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के जल संरक्षण प्रयासों का विशेष उल्लेख प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

प्रधानमंत्री के मन की बात को सभी 1041 बूथों में श्रवण किया

''मन की बात'' कार्यक्रम को लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह एवं विधायक श्री अशोक रोहाणी बूथ 134 में, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर बूथ 186 में, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन एवं प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू बूथ 132 में, विधायक श्री अभिलाष पांडे बूथ 213 में, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू बूथ 78 में, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन बूथ 77 में, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज ने बूथ 164 में, प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवालिया बूथ 155 में, निशक्तजन कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री संदीप रजक ने बूथ 97 में, पूर्व मंत्री श्री शरद जैन बूथ 199 में, पूर्व मंत्री श्री अंचल सोनकर ने बूथ 54 में, पूर्व मंत्री श्री हरेंद्रजीत सिंह बब्बू ने बूथ 132 में, पूर्व महापौर श्री प्रभात साहू ने बूथ 86 में, पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले ने बूथ 58 में, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी के साथ जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों ने अलग अलग बूथों में क्षेत्रीय जनों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

सख्य भक्ति का प्राकट्य ही भगवान की बाल लीलाएं: ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

गोपियों के उत्कृष्ट भावों का भोग ही भगवान की माखन चोरी लीला, श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस में बाल लीलाओं के आध्यात्मिक रहस्यों का हुआ भावपूर्ण वर्णन

हरिभूमि, जबलपुर। श्री बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर मढ़ाताल में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पंचम दिवस पर पूज्य ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का आध्यात्मिक रहस्य श्रद्धालुओं के समक्ष अत्यंत भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सख्य भक्ति का प्राकट्य ही भगवान की बाल लीलाएं हैं, जिनमें प्रेम, समर्पण, वात्सल्य और भक्ति का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

मनोरंजन नहीं आध्यात्मिक

उत्थान का दिव्य संदेश-महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जीव के आध्यात्मिक उत्थान का दिव्य संदेश है। उन्होंने कहा कि माता यशोदा को जो वात्सल्य और यश प्राप्त हुआ, वह स्वयं माता देवकी को भी प्राप्त नहीं हो सका। भगवान का ग्वाल-बालों के साथ खेलना, गोचारण करना और ब्रजवासियों के साथ सहज व्यवहार करना सामाजिक समरसता, स्नेह और समानता का आदर्श प्रस्तुत करता है।प

्रेम के सम्मान में रची माखन चोरी लीला

कथा के दौरान ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने भगवान की माखन चोरी लीला का रहस्य बताते हुए कहा कि यह चोरी नहीं, बल्कि गोपियों के निष्काम प्रेम और उत्कृष्ट भावों का स्वीकार था। गोपियां माखन केवल इसलिए मथती थीं कि किसी न किसी बहाने उन्हें अपने प्रिय कन्हैया के दर्शन हो जाएं। भगवान ने उनके इसी प्रेम का सम्मान करते हुए माखन चोरी की लीला रची और उनके मनोरथ को पूर्ण किया।

मुख से कराया संपूर्ण ब्रह्मांड का दर्शन

ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने कहा कि भगवान द्वारा मिट्टी खाने की लीला के माध्यम से माता यशोदा को अपने मुख में संपूर्ण ब्रह्मांड का दर्शन कराकर यह संदेश दिया गया कि समस्त सृष्टि उन्हीं में समाहित है। वहीं गोचारण लीला के माध्यम से भगवान ने ब्रह्मा का अहंकार दूर किया।

परास्त कर कालिया नाग को दिया जीवनदान

कालिया नाग के प्रसंग का उल्लेख करते हुए महाराज श्री ने कहा कि भगवान ने कालिया नाग का वध नहीं किया, बल्कि उसे परास्त कर जीवनदान दिया। कालिया नाग हमारी इंद्रियों का प्रतीक है, जिनका नाश नहीं बल्कि संयम और निग्रह आवश्यक है। इसी प्रकार भगवान ने विषाक्त हो चुकी यमुना को कालिय दमन के माध्यम से प्रदूषण मुक्त कर समाज को प्रकृति संरक्षण का संदेश भी दिया।**गोवर्धन पूजा से हुई शास्त्रसम्मत आचरण की स्थापना**- ब्रह्मचारी चैतन्यानंद जी ने कहा कि गोवर्धन पूजा की स्थापना कर भगवान श्रीकृष्ण ने शास्त्र-विरुद्ध परंपराओं का अंत कर शास्त्रसम्मत आचरण की स्थापना की तथा इंद्र के अहंकार का मर्दन किया। वहीं चीरहरण लीला के माध्यम से जीव और ब्रह्म के बीच स्थित माया रूपी आवरण को हटाने तथा गोपियों के कात्यायनी व्रत की पूर्णता का संदेश दिया। वेणुनाद के माध्यम से भगवान ने गोपियों को महारास की पात्रता प्रदान कर भक्ति के सर्वोच्च स्वरूप का दर्शन कराया।

इनकी रही उपस्थिति

कथा प्रारंभ से पूर्व व्यासपीठ का पूजन प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, अभिलाष पांडे ने किया। वहीं इस अवसर पर मधु यादव, सुधांशु गुप्ता, बीके पटेल, घनश्याम मिश्रा, वर्षा साहू, गोविंद साहू, आशीष आराधना चौकसे, शिव गुप्ता, सुनील गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुरेले, राहुल मौर्य, राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का रसपान कर भक्ति भाव से सराबोर हो गए।

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी और प्रदर्शन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया

असम के मंत्री की बेटी भी प्रदर्शन में उतरी, सरकार के खिलाफ नारे लगाए पुलिस और पत्रकारों पर हिंसा में शामिल टीएमसी के 14 कार्यकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

असम के गुवाहाटी में नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। इस प्रदर्शन में असम सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री और असम गण परिषद (एजीपी) नेता केशब महंता की बेटी दिबिसा भी शामिल हुईं। उनके प्रदर्शन में शामिल होने और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाने के कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिबिसा को प्रदर्शनकारियों के साथ नारे लगाते हुए और प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए दिखाया गया है। हालांकि, इन वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके बाद विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच चर्चा शुरू हो गई। इसी बीच सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने मंत्री केशब महंता का बचाव करते हुए कहा कि किसी पिता को उसकी वयस्क बेटी के राजनीतिक फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

दिबिसा के वीडियो की पुष्टि नहीं हुई

प्रदर्शन में हिंसा पर पुलिस का बड़ा एक्शन

तोड़फोड़ में शामिल टीएमसी की 'माफिया टीम' के आरोपी धराए

कोलकाता। नीट पेपर लीक के मामले में शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के धर्मतला में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और पत्रकारों के खिलाफ काफी हिंसा हुई थी। इस मामले में अब पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें टीएमसी का एक कार्यकर्ता भी है।विरोध प्रदर्शन में हिंसा करने के मामले में गिरफ्तार हुए लोगों को लेकर पुलिस ने कहा, इनमें से कोई भी छात्र नहीं है। ये सभी उपद्रवी हैं जो सीजेपी की रैली में मौजूद थे और तोड़फोड़ में शामिल थे।पुलिस ने ये भी है किसीजेपीने ईमेल के माध्यम से ये भी बताया है कि ये आंदोलन से नहीं जुड़े थे।

वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा

नतीजों के बाद इस्तीफा देकर प्रधान ने सही फैसला लिया, प्रदर्शन को नहीं रोका गया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार ने कभी भी छात्रों के विरोध-प्रदर्शन को रोकने की कोशिश नहीं की। उन्होंने ये भी कहा कि प्रधान ने दोबारा परीक्षा के नतीजों के बाद इस्तीफे की पेशकश करके समझदारी भरा फैसला लिया। एक कार्यक्रम में सीतारमण ने ये बातें कहीं। सीतारमण ने छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से निपटने के सरकार के तरीके का बचाव किया और कहा कि हमने किसी भी समय विरोध-प्रदर्शन को रोकने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि हर पीढ़ी युवावस्था में विरोध-प्रदर्शन करती है।

शिक्षामंत्री का चार्ज लेते ही एक्शन

रविवार को भी बुलाई अधिकारियों की बैठक, कामों की समीक्षा की

देशभर में 26 दिनों तक चले छात्र आंदोलन, संसद में लगातार हंगामे और आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे के बाद अब शिक्षा मंत्रालय की कमान प्रह्लाद जोशी के हाथों में आ गई है। जिम्मेदारी संभालते ही उन्होंने यह संकेत देने की कोशिश की कि मंत्रालय अब इंतजार के मूड में नहीं है। रविवार जैसे अवकाश वाले दिन भी उन्होंने मंत्रालय पहुंचकर अधिकारियों के साथ बैठक की।

रविशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस

राहुल का बिना अनुमति धरना निंदनीय-शर्मनाक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने हालिया प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन और नीट पेपर लीक के राजनीतिकरण पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने राहुल पर हमला बोला। प्रधानमंत्री आवास के सामने बिना अनुमति के धरना देने और गरिमा का उल्लंघन करने को शर्मनाक बताया।

राहुल ने शाह को लिखा पत्र

छात्रों को पीटने का आदेश किसने दिया?

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। राहुल ने एक्स पर यह पत्र साझा करते हुए लिखा कि छात्रों को मारने का आदेश किसने दिया? उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बर्बर तरीके से बल प्रयोग किया गया और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। राहुल ने लिखा कि छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे थे। लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया। इससे सैकड़ों छात्र घायल हुए। महिला छात्रों के साथ पुलिसकर्मियों ने मारपीट की और उनके निजी अंगों को भी निशाना बनाया गया।

तहसीन ने किया ऐलान

अब सड़क पर ई20 के खिलाफ होगा आंदोलन

नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हुए आंदोलन के बाद अब टीम भारत के संस्थापक तहसीन पूनावाला ने ई20 ईंधन नीति के खिलाफ नया आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। उन्होंने दावा किया कि ई20 नीति सबसे खराब तरीके से लागू की गई नीतियों में से एक है। उनका कहना है कि अगर इस नीति में सही सुधार किए जाएं तो लोगों को 80 से 90 रुपए प्रति लीटर के बीच शुद्ध और बिना मिलावट वाला पेट्रोल मिल सकता है। इसी मांग को लेकर उन्होंने 31 जुलाई को दिल्ली में 'गाड़ी मार्च, गांधी मार्च' निकालने की घोषणा की है। तहसीन ने लोगों से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह मार्च इंडिया गेट से शुरू होगा और संसद मार्ग होते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरदीप पुरी के कार्यालय तथा आवास के बाहर पहुंचेगा।

खबर संक्षेप

श्री प्रेमानंद के लिए खास मोती पोर्ट्रेट बनाया

जमशेदपुर। श्री प्रेमानंद महाराज के लिए जमशेदपुर के कलाकार विवेक मिश्रा ने भगवान श्री राधा-कृष्ण का 11गुणा 7 फीट का दुनिया का सबसे बड़ा मोती पोर्ट्रेट बनाया है। यह लगभग 4 लाख क्रिस्टल और मैट मोतियों से तैयार किया गया है। इसका आकार 11 गुणा 7 है। 3 माह से अधिक की मेहनत करके बनाया है। विश्व का सबसे बड़ा पोर्ट्रेट तैयार कर रिकार्ड बनाया है।

असम की फैक्ट्री में धमाका, 4 की मौत

दिसपुर। असम के कछार जिले में रविवार सुबह एक फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में कम से कम 4 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे उधारबंद थाना क्षेत्र के पंग्राम में स्थित काडे ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी नाम की रॉड बनाने वाली फैक्ट्री में हुआ। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री के कुछ हिस्से पक्षतिग्रस्त हो गए।

हाथ मिला लो बाद में रोना नहीं: ओवैसी

मुरादाबाद। 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले सियासी बयानबाजी गर्माने लगी है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुरादाबाद में जनसभा के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को मंच से गठबंधन का बड़ा ऑफर दिया है। ओवैसी ने कहा आप हाथ मिला लो फिर रोना नहीं। वे पार्टी का प्रचार कर रहे थे।

5 रुपए के नोट के फेर में युवक ने गंवाए 1.2 लाख

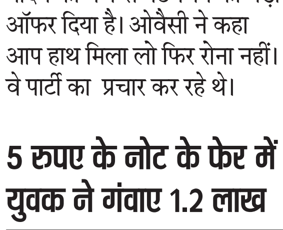

फरीदाबाद। फेसबुक पर पुराने नोट खरीदने का विज्ञापन देखकर संपर्क करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। आरोपियों ने 5 रुपए के पुराने ट्रैक्टर छपे नोट के बदले एक करोड़ रुपए देने का झांसा देकर एयरपोर्ट फीस, कस्टम, जीएसटी और अन्य शुल्क के नाम पर 1.02 लाख रुपए ठग लिए। हरियाणा के फरीदाबाद सेक्टर-आठ निवासी सुनील कुमार जैन ने पुलिस को शिकायत दी है।

'मन की बात' में पीएम मोदी ने देशवासियों से किया आह्वान

स्वतंत्रता दिवस स्पीच के लिए मांगे सुझाव

हर घर तिरंगा अभियान को आगे बढ़ाएं उत्साह से अभियान को बेमिसाल बनाएं

रेडियो कार्यक्रम के 136वें एपिसोड को प्रधानमंत्री ने संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के करीब आते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण के लिए देशवासियों को विचार और सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने यह भी अपील की कि देशवासी इस साल भी 'हर घर तिरंगा' अभियान की भावना को बेमिसाल उत्साह और गर्व के साथ आगे बढ़ाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुछ ही सप्ताह बाद हम अपनी स्वतंत्रता का महापर्व भी मनाएंगे।

15 अगस्त हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है। ये उन असंख्य वीरों को याद करने का दिन है, जिन्होंने 'भारत माता' की स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर दिया। उनके त्याग और तपस्या की वजह से आज हमारे हाथ में तिरंगा है। इस तिरंगे में हमारे संविधान के आदर्श हैं।

सुझाव भी आमंत्रित किया

अपने घर पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में अभियान ने पूरे देश को एक अद्भुत भावना से जोड़ा है। हर घर-हर गली में तिरंगे का उत्सव दिखाई देता है। इस साल भी हमें 'हर घर तिरंगा' अभियान को पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ाना है। अपने घर पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराना है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि हर वर्ष 15 अगस्त से पहले आप मुझे बहुत से विचार और सुझाव भेजते हैं। इस वर्ष भी आप अपने विचार 'माईगव' पर जरूर साझा कीजिए। मुझे आपके सुझावों का इंतजार है।

डॉ. कलाम को याद किया

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को याद किया। उन्होंने कहा कि 27 जुलाई को, भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि है। डॉ. कलाम के व्यक्तित्व में कई प्रेरक रूप थे, लेकिन, उनके हृदय के सबसे करीब एक शिक्षक की भूमिका थी। वे बच्चों और युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। उन्होंने कहा कि संयोग से, इसी हफ्ते हम 'गुरु पूर्णिमा' का पावन पर्व मनाएंगे। हमारे माता-पिता हमारे पहले गुरु होते हैं। स्कूल के शिक्षक हमें अक्षर ज्ञान देते हैं। मैं देश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं।

कश्मीर की पारंपरिक 'वगू' चटाई का किया जिक्र

हुसैन और तंजीला की सराहना की

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कश्मीर की पारंपरिक चटाई वगू पर चर्चा की। इसके साथ ही इस चटाई बनाने की परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए श्रीनगर के गुलाम हुसैन और उनकी बेटी की तारीफ की। जब हुनर भी हो और कुछ करने का जज्बा भी हो, तो हर राह आसान हो जाती है। कश्मीर की पारंपरिक चटाई 'वगू' को लेकर आज जो प्रयास हो रहे हैं, उसमें इसी की झलक मिलती है। इसे सरकंडे और धान के पुआल, घास से से तैयार किया जाता है। इस चटाई को बनाने की परंपरा बरसों पुरानी है। इसके लिए कश्मीर के दलदली इलाकों की घास और सरकंडे की कटाई की जाती है। धूप में सुखाने के बाद छंटाई होती है और फिर शुरू होता है हाथों से बुनाई का काम। दो कारीगरों को एक चटाई बनाने में करीब 4 दिन लगते हैं। यह चटाई अनूठी भी है और इकोफ्रेंडली भी है। एक बड़ी खासियत यह है कि आपको गर्मियों में इससे ठंडक और सर्दियों में गर्माहट मिलेगी।

हुसैन का एक साधारण परिवार से ताल्लुकात रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले वगू चटाई हर घर में दिखती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसका उपयोग कम होने लगा था। श्रीनगर के हुसैन और तंजीला ने एक संकल्प लिया। दोनों 'वगू' क्राफ्ट की परंपरा को एक नया जीवन देने में जुट गए।हुसैन बहुत ही साधारण परिवार से आते हैं, उनको इस काम में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन वगु के सरंक्षण का उनका संकल्प अडिग था।

सीतामढ़ी 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल को भी सराहा

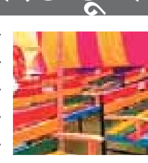

प्रधानमंत्री ने बिहार के सीतामढ़ी जिले की एक अनूठी पहल की देशभर में सराहना की। उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती का जिक्र करते हुए बताया कि सीतामढ़ी ने इसका एक आसान और प्रभावी समाधान पेश किया है।प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल के तहत जिले में सिंगल-यूज प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल कर मजबूत, टिकाऊ, आरामदायक और पर्यावरण अनुकूल बेंच तैयार की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि एक बेंच बनाने में करीब 40 किलोग्राम सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। ये बेंच आकर्षक होने के साथ-साथ लंबे समय तक उपयोग में रहने योग्य हैं और इन्हें सरकारी स्कूलों, पार्कों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाया जा रहा है।

'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' का सिद्धांत अपनाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल लोगों को बैठने की सुविधा ही नहीं दे रही बल्कि छात्रों और आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है। बच्चे सीख रहे हैं कि जिस प्लास्टिक को वे पहले बेकार समझकर फेंक देते थे, वही सही तकनीक और बेहतर प्रबंधन के जरिए समाज के लिए उपयोगी संसाधन बन सकता है। उन्होंने कहा कि इससे 'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' का सिद्धांत अब केवल नारा नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है।

सिद्धारमैया नहीं लड़ेंगे 2026 का विधानसभा चुनाव

आज की राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो गई, चुनाव लड़ने के लिए भी पैसा देना पड़ रहा

सिद्धारमैया ने उम्र का दिया हवाला

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता सिद्धारमैया ने चुनावी राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया है। रविवार को एक्स पर पोस्ट करके उन्होंने इसे लेकर अपनी नाराजगी भी जताई। सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है। इसलिए मैंने फैसला लिया कि मैं साल 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। हालांकि, मैं राजनीति में सक्रिय रहूंगा और जनता के सुख-दुख की आवाज बनकर उनके लिए काम करता रहूंगा। सिद्धारमैया ने कहा कि वरुणा विधानसभा क्षेत्र के लोग एक बार फिर मुझसे चुनाव लड़ने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन मैंने तय कर लिया है कि अब मैं भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा।

पहले जब मैं चुनाव लड़ता था, तब क्षेत्र की जनता ही हमारे लिए धन जुटाती थी और हमें जीत दिलाती थी। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। मेरी उम्र अब 79 वर्ष है। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल और बाकी है। दूसरी ओर, कर्नाटक में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार पर अंतिम फैसला लेने के लिए कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह तैयार है और लगभग 20 मंत्री पदों के लिए कांग्रेस के 60 से अधिक विधायक होड़ में हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि साल 2028 तक मेरी उम्र 82 वर्ष हो जाएगी और तब मेरे राजनीतिक जीवन के 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। अब मेरा स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा और न ही पहले जैसी ऊर्जा के साथ काम करना संभव है। उन्होंने कहा कि मैंने 1978 में तालुक बोर्ड के सदस्य के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। इन पांच दशकों में मैंने जीत और हार दोनों देखी हैं। लेकिन मुझे इस बात का संतोष है कि मैंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और न ही अपनी अंतरात्मा के खिलाफ कोई काम किया।

ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं

सिद्धारमैया ने कहा कि आज हालात ऐसे हो गए हैं कि चुनाव लड़ने के लिए नेताओं को जनता को पैसा देना पड़ता है। राजनीति पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए कोई जगह नहीं बची है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए मैंने भविष्य में चुनाव न लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से राज्य की जनता ने मुझे अपना मानकर स्नेह और मार्गदर्शन दिया है। मैं इस कर्ज को कभी नहीं चुका सकता। इसलिए मेरा बाकी जीवन भी जनता की सेवा और उनके हितों के लिए समर्पित रहेगा। पोस्ट के अनुसार सिद्धारमैया ने शनिवार को मंड्या जिले पेट में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में ये बातें कही थीं।

दक्षिणी राज्यों में कोरोना का बढ़ा खतरा

अस्पतालों को किया सतर्क इमरजेंसी बेड बनाने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोरोना के दौर की डरावनी यादें शायद ही कोई भूल पाया होगा। इसकी तीन लहरों के दौरान अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें, ऑक्सीजन की कमी, मास्क और सेनिटाइजर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। हम सभी मानने लगे थे कि अब खतरा टल गया है।हालांकि कोरोना फिर से दस्तक देता दिख रहा है। पिछले करीब एक महीने से देश के कई राज्यों जैसे महाराष्ट्र, केरल, आंध्र-प्रदेश और तेलंगाना से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कोविड-19 के मामलों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी भले ही महामारी के दौर जैसी नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे नजरअंदाज करने की गलती न करने की सलाह दे रहे हैं। राज्य सरकारों ने निगरानी बढ़ा दी है, अस्पतालों को सतर्क रहने को कहा गया है और संदिग्ध मामलों की टेस्टिंग की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में संक्रमण के करीब 50 मामले

आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के 10 नए मामले सामने आए। मामलों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। 4लोगों की मौत भी हो चुकी है। 24 मरीज अस्पतालों में हैं, जबकि 16 मरीज मेडिकल देख-रेख में घर पर हैं। 5 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। पूर्वी गोदावरी जिले में सबसे ज्यादा 11 मामले दर्ज किए गए हैं। गुंटूर में 9 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद कडप्पा में 8, विशाखापत्तनम में 5, एनटीआर में 3 और काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले सामने आए।

प्रधानमंत्री ने 'विकसित वाइब्रेंट विलेज' में की प्रतिभागियों से बात

'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने अनुभव साझा किया

विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के प्रतिभागियों से बातचीत की। इस दौरान 'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। एक 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उन्हें देश के सीमावर्ती गांवों का दौरा करने का अवसर दिया।

उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे गांवों को देखने का मौका मिला, जहां जाने की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। एक अन्य 'माई भारत' स्वयंसेवक ने कहा कि जब उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली, तब उन्हें महसूस हुआ कि विकसित भारत की रोशनी देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच रही है। स्कूलों में भी विकसित भारत की सोच दिखाई दी।

दादर-नागर हवेली के दिव्यांश ने जताया आभार

कार्यक्रम के दौरान दादर-नागर हवेली के युवा प्रतिभागी दिव्यांश जोशी ने प्रधानमंत्री से कहा कि मेरे जैसे आम युवाओं को देश के दूरदराज और सीमावर्ती गांवों में जाने और वहां रहने का मौका दिया। इस अद्भुत और सीख देने वाले अनुभव के लिए मैं आपका और पूरी टीम का दिल से धन्यवाद करता हूं।

245 जिलों के 5000 जेन जेड से एक साथ जुड़े

इस खास कार्यक्रम में देश के 245 जिलों के 5000 से अधिक छात्र और युवा प्रतिनिधि एक साथ जुड़े। इस संवाद का मुख्य उद्देश्य भारत के सीमावर्ती गांवों को देश का अंतिम गांव न मानकर उन्हें पहला गांव स्वीकारना और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को सक्रिय भागीदार बनाना है।

चांगो पहुंचकर पनिकिता ने कहा- सड़कें देखकर हैरान हूं

प्रतिभागी निकिता ने बताया कि चांगो जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर देखे गए वीडियो के आधार पर यह मान लिया था कि वहां न मोबाइल नेटवर्क होगा और न ही बिजली की सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जब वह वहां पहुंचीं और ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों के बीच बनी मजबूत सड़कों को देखा तो हैरान रह गईं।

ग्रामीणों ने कहा- सड़क, नलजल और नेटवर्क की सुविधा मिली

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने कहा कि अब क्षेत्र में चौबीसों घंटे बिजली और मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही आयुष्मान भारत योजना के कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उनका भरोसा बढ़ा है और उनका जीवन पहले की तुलना में अधिक आसान हुआ है। कई सुविधाएं अब ग्रामों में ही मिल रही हैं।

चित्रकूट: देवांगना घाटी गैंगरेप के तीनों आरोपी गिरफ्तार
मुख्य अभियुक्त मुठभेड़ के बाद दबोचा गया

96 घंटे में पुलिस ने सुलझाई वारदात; मुठभेड़ में मुख्य आरोपी के पैर में लगी गोली,दो तमंचे और कारतूस बरामद

सतना। चित्रकूट की देवांगना घाटी में छात्रा के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने 96 घंटे के भीतर सफल खुलासा कर दिया है। मामले में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी जितेंद्र उर्फ भोले को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया,जिसके पैर में गोली लगी है। वहीं,घटना में शामिल दो अन्य फरार आरोपियों को भी रविवार को दबोच लिया गया।

मड़फा पहाड़ पर मुठभेड़,सिपाही भी घायल

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के अनुसार,शनिवार को मड़फा पहाड़-हुडा मार्ग पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम की मुख्य आरोपी जितेंद्र उर्फ भोले से मुठभेड़ हो गई।पुलिस की जवाबी कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी आरोपी जितेंद्र पैर में गोली लगने से घायल हो गया,जिसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। पुलिस ने मौके से घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल,दो तमंचे,तीन जिंदा कारतूस और तीन खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

एसओजी और पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचे दो फरार आरोपी

मुख्य आरोपी से पूछताछ के आधार पर एसओजी और बहिलपुरवा थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रविवार को फरार चल रहे दो अन्य अभियुक्तों-विवेक पटेल उर्फ सोनू और प्रवीण पटेल को मछरिहा तिराहा के पास से गिरफ्तार कर लिया।

सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से मिली सफलता

उल्लेखनीय है कि 22 जुलाई को देवांगना घाटी में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एडीजी,डीआईजी और एसपी ने स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया था। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए एसओजी, सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की विशेष टीमें लगाई गई थीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल सर्विलांस के आधार पर 24 जुलाई को तीनों आरोपियों की पहचान की थी। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि घटना के बाद वे घबराकर सेमरदहा इलाके में छिपे थे और बाद में शिवरामपुर की ओर भाग गए थे। पुलिस फिलहाल तीनों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और अन्य गंभीर धाराओं के तहत वैधानिक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला फरार आरोपी चढ़ा कोतवाली पुलिस के हत्थे

सतना। नाबालिग बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर सख्त कार्रवाई के तहत थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट के गंभीर मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह पूरी कार्रवाई उपपुलिस अधीक्षक व थाना प्रभारी रावेन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में अंजाम दी गई। मामले की जानकारी के अनुसार,पीड़िता ने थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी रज्जन शाह (35 वर्ष),निवासी टिकुरिया टोला (कब्रस्तान के अंदर),थाना कोलगवां ने उसके साथ गलत काम (दुष्कर्म) किया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1), 64(2)(m) एवं पॉक्सो अधिनियम की धारा 5(j)(2), 5L/6 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। संवेदनशील मामला होने के कारण पुलिस टीम गठित कर आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू की गई। मुखबिर तंत्र और तकनीकी साधनों की मदद से आरोपी रज्जन शाह को धर दबोचा गया। विधिवत गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक बेबी तरन्नुम,आरक्षक रमाकांत शर्मा, महिला आरक्षक प्रियंका चतुर्वेदी तथा एकता श्रीवास्तव का सराहनीय योगदान रहा।

अपनी ही जमीन पर लाठी खाए पति-पत्नी

मानपुर। कानून व्यवस्था और पुलिसिया मुस्तैदी के दावे कागज पर कितने ही मजबूत दिखते हों, लेकिन मानपुर जनपद के मुगवानी गाँव में जो हुआ, वह व्यवस्था के मुँह पर करारा तमाचा है। यहाँ दबंगों का दुस्साहस इस कदर बुलंद है कि खून बहाकर भी वे खुलेआम घूम रहे हैं और पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय शायद किसी 'शुभ मुहूर्त' का इंतजार कर रही है।

घटना बीती 21 जुलाई की है, जब पीड़िता कुसुम चतुर्वेदी अपने पति केशव चतुर्वेदी के साथ अपनी ही निजी जमीन पर बाड़ी (घेराबंदी) लगा रही थीं। तभी पड़ोस में रहने वाले संबंधी—राजेन्द्र चतुर्वेदी और उसका बेटा वीरेश चतुर्वेदी, एक राय होकर लाठी-डंडों से लैस होकर आ धमके। गाली-गलौज करते हुए आरोपियों ने सीधे सिर पर जानलेवा वार कर दिया। दंपति लहू-लुहान होकर बचाओ-बचाओ चिल्लाते रहे, लेकिन हमलावर उन्हें जान से मारने की धमकी देकर बड़े आराम से चंपत हो गए।

खून से लथपथ हालत में पीड़ित पति-पत्नी न्याय की उम्मीद लेकर इन्दवार पुलिस थाने पहुँचे। लेकिन हद तो तब हो गई जब पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस ने उनकी पूरी बात सुनने के बजाय रिपोर्ट को अपने हिसाब से 'हल्का' कर दिया। घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी पुलिस के नाक के नीचे बेखौफ घूम रहे हैं, मानों उन्हें कानून का कोई खौफ ही न हो।

बच्चों की थाली पर डाका
लखनौटी के स्कूल में पानी वाली सब्जी और जली पूरी

मानपुर।

शासन की योजनाएं कितनी ही लुभावनी क्यों न हों, लेकिन जब बात जमीनी हकीकत की आती है, तो मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लखनौटी का एकीकृत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय इसका एक जीता-जागता और शर्मनाक नमूना पेश करता है। यहां बच्चों के निवाले पर खुल्लम-खुल्ला डाका डाला जा रहा है और मीनू सिर्फ दीवारों की शोभा बढ़ाने वाला एक बेजान कागज का टुकड़ा बनकर रह गया है।

बदहाली का सामान्य खेल

मध्य प्रदेश सरकार ने बड़े-बड़े दावों के साथ मंगलवार का दिन बच्चों और आंगनवाड़ी के नौनिहालों के लिए विशेष पोषण दिवस घोषित कर रखा है। कागजों में नियम हैं कि इस दिन बच्चों को हलवा, पूरी, खीर, लजीज सब्जी और पापड़ परोसा जाएगा। लेकिन लखनौटी के इस एकीकृत विद्यालय में मंगलवार को जो पोषण परोसा गया, उसे देखकर किसी भी संवेदनशील इंसान का खून खौल उठेगा। यहां हलवे के नाम पर क्या था, यह तो बनाने वाले ही जानें, लेकिन पूडिय़ाँ ऐसी परोसी गईं जो कड़ाही में नहीं, शायद लापरवाही की आग में जलकर कोयला हो चुकी थीं। अब बात करें सब्जी की—तो यहां आलू-रसदार का एक नया ही आविष्कार देखने को मिला, जहां आलू का एक टुकड़ा ढूंढने के लिए पानी के समंदर में गोता लगाना पड़े, आलू अलग तैर रहा था और पानी अपनी अलग राह नाप रहा था। स्वाद और गुणवत्ता का दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था।

मासूमों की सेहत से खिलवाड़, कौन जिम्मेदार

सरकार हर साल बच्चों के कुपोषण को दूर करने और उन्हें पोषण युक्त भोजन देने के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही है। लेकिन लखनौटी में यह सरकारी पैसा बच्चों के पेट में जाने के बजाय स्व-सहायता समूह और जिम्मेदार तंत्र की लापरवाही की बलि चढ़ रहा है। जली हुई पूडिय़ां और पानी से छक-छक करती सब्जी खाकर बच्चे सेहतमंद बनेंगे या बीमार पड़ेंगे, इसका जवाब शायद किसी प्रशासनिक अफसर के पास नहीं है। मीनू के अनुसार खाना न बनाना और घटिया सामग्री का इस्तेमाल करना अब यहां की नियति बन चुका है। बच्चों को मिलने वाले हक के निवाले को जिस बेरहमी से छीना जा रहा है, वह सिर्फ प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि एक नैतिक अपराध है।

जरा इधर भी रुख कीजिए साहब

जिले की कमान संभाल रहीं कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय से अब लखनौटी की जनता और अभिभावकों को ही अंतिम उम्मीद नजर आ रही है। ग्रामीणों और जनापेक्षाओं का स्पष्ट कहना है कि इस विद्यालय का तत्काल औचक निरीक्षण किया जाए। केवल कागजी खानापूर्ति या चेतावनी देकर मामला दबाने के बजाय, बच्चों के निवाले पर डाका डालने वाले दोषियों पर ऐसी दंडात्मक कार्रवाई की जाए जो मिसाल बने। जिस समूह के पास इस भोजन को बनाने की जिम्मेदारी है, उसे तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर काम किसी अन्य जिम्मेदार समूह को सौंपा जाए।

अंत्येष्टि सहायता राशि दिलाने के नाम पहले भी ले चुका था रिश्वत पेंशन प्रकरण निपटाने के लिए पैसे लेते हुआ ट्रैप

जल संसाधन विभाग के बाबू को 7 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ लोकायुक्त पुलिस ने किया गिरफ्तार

रीवा।

रीवा में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त की कार्रवाई लगातार जारी है। रविवार को लोकायुक्त पुलिस ने जल संसाधन विभाग के एक बाबू को सात हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने उसने पहले मृत कर्मचारी के अंतिम संस्कार सहायता राशि जारी करने के एवज में रिश्वत ली और बाद में पारिवारिक पेंशन तथा अन्य लंबित भुगतान के प्रकरण को आगे बढ़ाने के लिए दोबारा रुपए की मांग करने लगा। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को बाणसागर कॉलोनी स्थित जल संसाधन विभाग कार्यालय के समीप रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। लोकायुक्त की इस कार्रवाई के बाद जल संसाधन विभाग में हड़कंप मच गया। ट्रैप के दौरान आरोपी के हाथ धुलवाए गए, जिसमें रिश्वत के नोटों पर लगाए गए रासायनिक पदार्थ की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण

अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।जानकारी के अनुसार फरियादी के पिता जल संसाधन विभाग के त्योंथर कार्यालय में चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 24 मार्च 2026 को उनका निधन हो गया। कर्मचारी की मृत्यु के बाद परिवार पहले से ही आर्थिक संकट से गुजर रहा था। विभाग की ओर से मृतक कर्मचारी के अंतिम संस्कार एवं कर्मकांड के लिए मिलने वाली लगभग 1.25 लाख रुपए की सहायता राशि जारी करने के एवज में आरोपी बाबू ने पहले ही 5 हजार रिश्वत ले ली थी। परिजनों का आरोप है कि सहायता राशि मिलने के बाद भी आरोपी की मांग खत्म नहीं हुई। उसने मृतक कर्मचारी की पत्नी के पेंशन प्रकरण, अन्य विभागीय भुगतान और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर फिर से रुपए मांगने शुरू कर दिए ।लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बार-बार मांग रहा था रुपए, परेशान होकर पहुंचा लोकायुक्त

फरियादी ने बताया कि आरोपी रामनारायण मिश्रा, जो जल संसाधन विभाग मे बड़े बाबू के पद पर पदस्थ है, लगातार पैसों की मांग कर रहा था। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए बार-बार रिश्वत देना संभव नहीं था। आरोपी की मांग और दबाव से परेशान होकर उसने रीवा लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। लोकायुक्त पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद पूरे मामले का सत्यापन कराया। जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर ट्रैप की योजना बनाई गई।

छुट्टी के दिन कार्यालय के पास बुलाया, वहीं बिछा था लोकायुक्त का जाल

बताया गया कि आरोपी ने रिश्वत लेने के लिए फरियादी को छुट्टी के दिन भी कार्यालय के पास बुलाया था, ताकि किसी को संदेह न हो। निर्धारित योजना के अनुसार फरियादी रिश्वत की राशि लेकर पहुंचा, जबकि लोकायुक्त की टीम आसपास सादे कपड़ों में तैनात थी।जैसे ही आरोपी ने 7 हजार रिश्वत के रूप में अपने कब्जे में लिए, टीम ने तत्काल उसे घेर लिया। मौके पर ही रासायनिक परीक्षण में रिश्वत लेने की पुष्टि होने के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

1 लाख का कर्ज देकर हड़प लिया 13 लाख में मकान!
शहडोल में सूदखोरों की बलि चढ़ा युवक

शहडोल। संभागीय मुख्यालय इन दिनों अवैध ब्याज माफिया और सूदखोरों की खूनी जकडऩ में पिस रहा है। मजबूरी में लिया गया चंद पैसों का कर्ज यहां लोगों की जिंदगियों पर भारी पड़ रहा है। रेलवे स्टेशन और आसपास की कॉलोनियों में बेखौफ होकर चल रहा यह काला धंधा अब मासूमों की बलि लेने लगा है। बीते दिनों किरण टॉकीज के पास, वार्ड नंबर 24/31 निवासी 32 वर्षीय होनहार युवक नितिन गुप्ता द्वारा अपनी ही प्रिंटिंग प्रेस में खुद को आग लगाकर आत्मदाह कर लेने की रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने पूरे शहर की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है।

रेलवे कर्मचारी पत्नी और गुर्गों का खूनी सिंडिकेट

जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी राकेश यादव, उसकी रेलवे कर्मचारी पत्नी सरिता यादव और नितिन चौरसिया उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा 108 और 61(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि एक सरकारी नौकरी करने वाली महिला, महिला का पति और उसके गुर्गे शहर में खुलेआम ऐसा संगठित अपराध चला रहे थे और खाकी को भनक तक नहीं लगी, वसूली के लिए पाले गए ये गुंडे जरूरतमंदों को धमकाकर उनकी जिंदगियां और जायदादें निगल रहे हैं।

कड़क कप्तानों के जाते ही खाकी का खौफ खत्म

शहर में यह चर्चा आम है कि जब पूर्व एसपी अवधेश गोस्वामी का कार्यकाल था, तब सूदखोरों की रूह कांपती थी और वे सलाखों के पीछे स सड़ रहे थे, लेकिन श्री गोस्वामी के जाते ही और पुलिसिया सुस्ती का फायदा उठाकर ये गिद्ध फिर से सक्रिय हो गए। यदि पुलिस वक्त रहते इन ब्याज माफियाओं की नकेल कसती, तो आज नितिन गुप्ता जिंदा होता। जब संभागीय मुख्यालय शहडोल में आदमी आत्मदाह करने को मजबूर है, तो दूर-दराज के देहाती इलाकों का खुदा ही मालिक है, नितिन गुप्ता की मौत सिर्फ एक खुदकुशी नहीं, बल्कि लचर व्यवस्था द्वारा कराई गई संस्थागत हत्या है।

1 लाख रुपये का कर्ज और ले लिया घर

15 जून को हुई इस दर्दनाक वारदात के बाद जब पुलिस के हाथ सुसाइड नोट लगा, तो सूदखोरी का खौफनाक चेहरा बेनकाब हो गया। मृतक नितिन गुप्ता ने राकेश यादव नामक सूदखोर से महज 1 लाख रुपये का कर्ज लिया था। इस रकम की एवज में ब्याज का ऐसा मायाजाल बुना गया कि दबाव बनाकर नितिन के 13 लाख रुपये में मकान और जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम करा ली गई। कागजों में सौदेबाजी तो 13 लाख की दिखाई गई, लेकिन नितिन को एक फूटी कौड़ी भी नहीं दी गई।

सचिव ने किसान का फोड़ा सिर एफआईआर से कतराई पुलिस

शहडोल। पद का नशा और सरकारी कुर्सी की गर्मी जब दिमाग पर हावी हो जाए, तो कानून का खौफ किस कदर हवा हो जाता है, इसका खूनी नजारा जैतपुर थाना क्षेत्र के टिकुरी गांव में देखने को मिला। यहां खोडरी पंचायत के सचिव ने खाकी और पद के रसूख के नशे में अंधे होकर एक निरपराध किसान परिवार पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला बोल दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल किसान मौत से जूझ रहा है और शहडोल रेफर किया गया है, लेकिन जैतपुर पुलिस का दिल है कि पसीजने का नाम ही नहीं ले रहा।

जानकारी के मुताबिक, रसमोहनी निवासी किसान सतेंद्र सिंह बरगाही की टिकुरी गांव स्थित जमीन को लेकर पंचायत सचिव पुरन लाल साहू से विवाद चल रहा है। आरोप है कि सत्ता और पद की धौंस में चूर सचिव पुरन लाल साहू अपने लाव-लश्कर—पत्नी और सुपुत्र के साथ किसान के खेत पर आ धमके और खड़ी फसल के बीच जबरन ट्रैक्टर का इंजन खड़ा कर दिया। जब किसान सतेंद्र सिंह ने इस दादागिरी का विरोध किया, तो सचिव परिवार ने बिना सोचे-समझे लाठी-डंडों से किसान पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। बीच-बचाव करने पहुँची किसान की पत्नी और बेटे रोहित को भी लहूलुहान कर दिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से रफूचक्कर हो गए।

करंट की चपेट में आने से मासूम की दर्दनाक मौत दिव्यांग पिता के इकलौते पुत्र को नहीं बचा सके चिकित्सक

पन्ना। पन्ना जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र के कोठी टोला में शनिवार, 25 जुलाई 2026 की शाम एक अत्यंत हृदयविदारक हादसे में करंट लगने से एक मासूम बालक की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाम लगभग 6:00 बजे दिव्यांग संजय लोधी के इकलौते पुत्र रवि कृष्ण खेलते-खेलते घर के एक कमरे में चला गया। लगातार हो रही बारिश के कारण कमरे में लगे बिजली के बोर्ड में करंट आ गया था, जिसकी चपेट में आने से बालक वहीं फंस गया। कुछ देर बाद जब पिता संजय लोधी कमरे में पहुंचे, तब उन्हें यह आभास नहीं था कि उनके पुत्र को करंट लग चुका है। जैसे ही उन्होंने बच्चे को उठाने का प्रयास किया, वे भी करंट की चपेट में आ गए। हालांकि उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए स्वयं को किसी तरह बचा लिया, लेकिन तब तक बालक बेहोश हो चुका था। परिजन तत्काल निजी वाहन से रवि कृष्ण को सतना के बिरला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां इमरजेंसी वार्ड में चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि यह परिवार अत्यंत गरीब है तथा पिता संजय लोधी दिव्यांग हैं। इकलौते पुत्र की असमय मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन एवं शासन से मांग की है कि परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्हें शीघ्र आर्थिक सहायता और हर संभव सहयोग प्रदान किया जाए। ईश्वर दिवंगत बालक की आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति दें।

गांव के होनहार ने रचा सफलता का इतिहास, 2026 में शानदार प्रदर्शन

पन्ना। कहते हैं कि 'सपनों की उड़ान के लिए बड़े शहर नहीं, बड़ा हौसला चाहिए।' इस बात को सच साबित कर दिखाया है पन्ना जिले के अजयगढ़ विकासखंड के छोटे से ग्राम 'मेहंदीपुरवा' के प्रतिभाशाली छात्र 'विमल किशोर लोधी' ने।

सीमित संसाधनों के बीच कठिन परिश्रम और अटूट आत्मविश्वास के दम पर विमल ने 'छम्म्ज न्ळ 2026 री-एग्जाम' में '720 में से 538 अंक' प्राप्त करते हुए 'ऑल इंडिया रैंक 23,550' हासिल की और मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता अर्जित कर जिले का गौरव बढ़ाया। शिक्षक 'नंदकिशोर लोधी' के पुत्र विमल की इस उपलब्धि ने न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव और जिले को गौरवान्वित कर दिया। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं यदि सही दिशा और निरंतर मेहनत करें, तो राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बना सकती हैं।

ऐसा है टमाटर का गणित, फसल ज्यादा होने से इस बार भी कीमत कम

चार का टमाटर, बेंगलुरु से भाड़ा 10 रुपए, यहां थोक में 16 और चिल्हर में दाम 20 रुपए किलो

हरिभूमि न्यूज रायपुर

राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश की सभी सब्जी मंडियों में इस समय टमाटर की आवक बेंगलुरु से हो रही है। वहां पर टमाटर की कीमत सौ रुपए क्रेट यानी चार रुपए किलो है। अब इस चार रुपए के टमाटर को रायपुर तक पहुंचने में दस रुपए प्रति किलो के हिसाब से भाड़ा लग रहा है। ऐसे में रायपुर की मंडी में इसके दाम थोक में चार सौ रुपए क्रेट यानी 16 रुपए किलो हैं।

चिल्हर में दाम ज्यादा

राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अन्य सब्जी मंडियों में टमाटर के चिल्हर में दाम ज्यादा हैं। राजधानी रायपुर की अलग-अलग सब्जी मंडियों में इसके दाम 20 से 25 रुपए हैं। चिल्हर कारोबारियों के मुताबिक वे 16 रुपए किलो में टमाटर लेकर आते हैं तो दो रुपए तो भाड़ा ही लग जाता है। ऐसे में टमाटर उनको 18 रुपए किलो पड़ता है। ऐसे में इसको 20 रुपए में बेचना संभव नहीं होता है।

भाड़ा ज्यादा लगता है

बेंगलुरु में तो टमाटर के दाम कम हैं, लेकिन भाड़ा ज्यादा होने के कारण इसके दाम यहां पर थोक मे 15 से 16 रुपए हो जाते हैं।

-टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक सब्जी मंडी

इस बार भी दाम कम

आमतौर पर जब भी बेंगलुरु से टमाटर की आवक प्रारंभ होती है तो इसके दाम बढ़ जाते हैं, लेकिन यह लगातार दूसरा साल है जब इसके दाम बहुत कम हैं। इसके पीछे का कारण यह है कि वहां पर टमाटर की भारी फसल हुई है। ऐसे में वहां के किसानों को तो इसके दाम ही नहीं मिल पा रहे हैं। यहां के कारोबारियों के मुताबिक बेंगलुरु में इस समय टमाटर की कीमत 2 से 4 रुपए किलो है। बहुत अच्छी क्वालिटी का टमाटर चार रुपए किलो है।

भाड़े की वजह से रेट बढ़ा

बेंगलुरु में टमाटर के दाम तो महज चार रुपए हैं, लेकिन इसको वहां से रायपुर या प्रदेश के किसी भी शहर तक लाना महंगा साबित हो रहा है। रायपुर के कारोबारियों के मुताबिक बेंगलुरु से रायपुर तक एक क्रेट टमाटर का भाड़ा दो सौ रुपए है। इसकी के साथ लोडिंग और अनलोडिंग का शुल्क अलग से लगता है। ऐसे में एक किलो टमाटर पर यहां तक पहुंचने पर दस रुपए खर्च हो जाते हैं। ऐसे में चार रुपए किलो के टमाटर के दाम 14 रुपए हो जाते हैं। इसमें लोकल थोक कारोबारी इसमें अपना एक से दो रुपए किलो के हिसाब से मुनाफा जोड़कर इसके 15 से 16 रुपए किलो के हिसाब से बेचते हैं।

जब कुंवारी मां बनीं लड़कियां तो बच्चों को जमीन में गाड़ा जिंदा

मानवता को झकझोर देने वाले आयरलैंड के चर्चित 'मदर एंड बेबी होम' मामले में जांच के दौरान एक और अहम जानकारी सामने आई है। खुदाई कर रही फॉरेंसिक टीम को 22 और नवजात बच्चों के कंकाल और अस्थियां मिली हैं। इसके साथ ही अब तक इस परिसर से कुल 99 बच्चों के अवशेष बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी सच्चाई से 60 साल बाद परदा उठा है।

डबलिन। जांच एजेंसियों का मानना है कि जमीन के नीचे अभी भी बड़ी संख्या में बच्चों के अवशेष हो सकते हैं और खुदाई का काम आगे भी जारी रहेगा। ताजा बरामदगी उस हिस्से से हुई है, जिसे पुराने दस्तावेजों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज किया गया था। जांच में शामिल अधिकारियों के मुताबिक, बच्चों के अवशेष छोटे-छोटे ताबूतों में मिले हैं। सभी अवशेषों को सुरक्षित तरीके से आधुनिक फॉरेंसिक लैब में भेजा गया है, जहां उनकी वैज्ञानिक जांच की जाएगी।

60 साल बाद उठा 99 लाशों की सच्चाई से परदा!

62 लोगों ने सौंपे अपने डीएनए नमूने

उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और उन्हें वहां किस तरह दफनाया गया, इसकी जांच अभी जारी है। एक्सपर्ट पहले इन कंकालों को संरक्षित करेंगे और फिर रेडियोलॉजी, 3डी स्कैनिंग और अन्य तकनीकों की मदद से यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि बच्चों की उम्र क्या थी, उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या उनकी पहचान स्थापित की जा सकती है। जांच का एक अहम हिस्सा डीएनए टेस्ट भी है। अब तक 62 लोगों ने अपने डीएनए नमूने जांच एजेंसियों को सौंपे हैं, ताकि अवशेषों की पहचान उनके परिवारों से कराई जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रक्रिया समय लेने वाली है, लेकिन इससे कई लोगों को दशकों पुराने सवालों के जवाब मिल सकते हैं।

बच्चों को माताओं से कर दिया जाता था अलग

इस बारे में वरिष्ठ फॉरेंसिक सलाहकार डॉ. नीव मैकुलघ ने कहा कि शुरुआती खुदाई में ही इतनी बड़ी संख्या में अवशेष मिलना इस बात का संकेत है कि परिसर के अन्य हिस्सों में भी और अवशेष हो सकते हैं। उनके अनुसार, एक ही स्थान पर इतने बच्चों को दफनाया जाना गंभीर जांच का विषय है और पूरी साइट की वैज्ञानिक तरीके से पड़ताल की जा रही है। इस मामले ने पहली बार वर्ष 2014 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा था। इतिहासकार कैथरीन कॉर्लेस ने अपने शोध में पाया कि इस संस्थान से जुड़े 796 बच्चों के मृत्यु प्रमाण पत्र तो मौजूद हैं, लेकिन उनके दफनाने का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं मिला। इसी खुलासे के बाद सरकार ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कराई। 'मदर एंड बेबी होम' उन संस्थानों में शामिल था, जहां 20वीं सदी के दौरान अविवाहित गर्भवती महिलाओं को रखा जाता था। कई मामलों में बच्चों को जन्म के बाद उनकी माताओं से अलग कर दिया जाता था। यह संस्थान 1925 से 1961 तक संचालित हुआ।

बड़ी संख्या में हुई थी बच्चों की मौत

उपलब्ध रिकॉर्ड बताते हैं कि यहां बड़ी संख्या में बच्चों की मौत हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार, इनमें से कई मौतें कुपोषण, संक्रमण और ऐसी बीमारियों के कारण हुईं जिनका इलाज उस समय संभव था। आज भी इस पूरे मामले की जांच जारी है। जांच एजेंसियों का कहना है कि खुदाई पूरी होने और सभी वैज्ञानिक परीक्षण खत्म होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी, जिसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वहां कुल कितने बच्चों के अवशेष मौजूद हैं। साथ ही, डीएनए जांच के जरिए अधिक से अधिक बच्चों की पहचान कर उन्हें उनके परिवारों से जोड़ने की कोशिश की जाएगी. यह मामला केवल एक जांच नहीं है, बल्कि उन परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण है जो वर्षों से अपने प्रियजनों के बारे में सच्चाई जानने का इंतजार कर रहे हैं। जांच आगे बढ़ने के साथ कई और तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

रोचक खबरें

ये है दुनिया का सबसे आलसी जानवर हफ्ते में एक बार ही करता है पॉटी

नई दिल्ली। दुनिया भर में आलस्य की मिसाल दी जाए तो सबसे पहले स्लॉथ (Sloth) का नाम लिया जाता है। दक्षिण और मध्य अमेरिका के वर्षावनों में पाया जाने वाला यह अनोखा जानवर इतना आलसी है कि उसकी जिंदगी का अधिकांश हिस्सा पेड़ की डाल पर लटके रहने में बीतता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि स्लॉथ प्रकृति का सबसे धीमा जानवर है, जिसकी गति इतनी कम होती है कि इंसान आसानी से इसे पकड़ सकता है। लेकिन, इसके आलस्य के पीछे एक गहरा वैज्ञानिक कारण छिपा है। स्लॉथ की सबसे चर्चित आदत है उसका पॉटी करना। सामान्य जानवर रोजाना कई बार शौच करते हैं, लेकिन स्लॉथ हफ्ते में सिर्फ एक बार नीचे उतरकर पॉटी करता है। यह प्रक्रिया उसके लिए इतनी मेहनत भरी होती है कि वह पेड़ से नीचे आता है, पॉटी करता है और फिर तुरंत वापस चढ़ जाता है। दिलचस्प बात यह है कि पॉटी करने के दौरान वह अपनी बॉडी का लगभग एक तिहाई वजन खो देता है। इतना भारी मल त्याग करना उसके लिए खतरनाक भी हो सकता है, क्योंकि जंगल में शेर, जगुआर जैसे शिकारी उसे आसानी से पकड़ सकते हैं। स्लॉथ का मेटाबोलिक रेट बेहद धीमा होता है। मनुष्यों की तुलना में इसकी मेटाबॉलिज्म 40-74% तक कम होती है। यही वजह है कि यह कम खाता है और जो खाता है उसे पचाने में भी बहुत समय लगता है। इसके बालों पर शैवाल उग आते हैं जो हरे रंग के होते हैं, जिससे यह पेड़ों में घुल-मिल जाता है और शिकारियों से बच जाता है।

डिलीवरी के ठीक बाद बॉस ने मांगी नवजात की सेल्फी, बाद में नौकरी से भी निकाला!

कुआलालंपुर। मलेशिया से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। एक महिला का आरोप है कि बच्चे को जन्म देने के कुछ ही घंटों बाद उसके बॉस ने आराम करने या हालचाल पूछने के बजाय उससे यह साबित करने के लिए सबूत मांगने शुरू कर दिए कि उसने सच में बच्चे को जन्म दिया है। हैरानी की बात यह है कि सभी दस्तावेज भेजने के बाद भी कंपनी ने उसका कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया। महिला ने अपनी कहानी मलेशियाई मीडिया प्लेटफॉर्म एमस्टार के साथ शेयर की। महिला के मुताबिक, उसने 29 अक्टूबर को अपने पहले बच्चे को जन्म दिया। डिलीवरी के बाद वह अस्पताल में भर्ती थी और रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रही थी। इसी दौरान उसके फोन पर ऑफिस से डिलीवरी के सबूत के लिए लगातार कॉल और मैसेज आने लगे। महिला ने बताया कि शुरुआत में उसके पति ने अस्पताल की ओर से जारी बेबी इंफॉर्मेशन कार्ड बॉस को भेज दिया। पति द्वारा भेजे गए कार्ड में महिला का नाम, अस्पताल की जानकारी और बच्चे के जन्म की तारीख दर्ज थी। उन्हें लगा कि इससे सारी औपचारिकताएं पूरी हो जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कुछ देर बाद बॉस ने और सबूत मांगने शुरू कर दिए। महिला से कहा गया कि वह अस्पताल में भर्ती होने से जुड़े दस्तावेज दिखाए और अपनी तस्वीर भी भेजे। तब उसने अस्पताल के गाउन में अपनी फोटो भेज दी। इसके बावजूद बॉस का शक खत्म नहीं हुआ। महिला का आरोप है कि इसके बाद उससे कहा गया कि वह नवजात बच्चे को गोद में लेकर एक सेल्फी भेजे, ताकि पुष्टि हो सके कि उसने वास्तव में बच्चे को जन्म दिया है। उस समय वह ऑपरेशन और डिलीवरी के बाद दर्द में थी। ऐसे में बार-बार फोटो भेजने की मांग ने परेशानी और बढ़ा दी। महिला का कहना है कि उसे सबसे ज्यादा दुख इस बात का हुआ कि उसके बॉस ने एक बार भी तबीयत के बारे में नहीं पूछा। पूरा ध्यान सिर्फ इस बात पर था कि वह अपनी बात साबित करे।

कंपनी ने कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया

महिला ने सवाल उठाया कि अगर कंपनी को किसी तरह की पुष्टि करनी ही थी, तो डिस्चार्ज होने तक इंतजार क्यों नहीं किया जा सकता था। मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। महिला का रोजगार अनुबंध 30 अक्टूबर को समाप्त होने वाला था। उसने 29 अक्टूबर को बच्चे को जन्म दिया और उसी दिन अस्पताल से मांगे गए सभी दस्तावेज और तस्वीरें भेजती रही। इसके बावजूद अगले ही दिन कंपनी ने उसका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाया। एक तरफ वह नई मां बनने की जिम्मेदारियों के साथ खुद को संभालने की कोशिश कर रही थी, वहीं दूसरी तरफ नौकरी छूटने की खबर उसके लिए बड़ा झटका साबित हुई। उसका कहना है कि जीवन के सबसे अहम और भावनात्मक समय में उसे सहयोग की जगह मानसिक दबाव का सामना करना पड़ा।

जलवायु परिवर्तन

भारत-पाकिस्तान समेत इन देशों में तबाही का खतरा वैज्ञानिकों ने चेताया

ग्लेशियरों के पिघलने से बन सकती हैं 56 हजार नई झीलें

इस्लामाबाद। दुनिया में 200,000 से 275,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें कुल पानी का 69 फीसदी जमा है। ये ऑस्ट्रेलिया के अलावा हर महाद्वीप पर हैं। ये आर्कटिक, अलास्का, अंटार्कटिका के साथ-साथ हिमालय और एंडीज जैसी पर्वत श्रृंखलाओं में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। ये ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलकर एशिया समेत दुनिया के बड़े हिस्से के लिए खतरे का सबब बन सकते हैं। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चेतावनी दी है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन में स्वीडन, अमेरिका, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे के शोधकर्ताओं ने ग्रह पर मौजूद सभी ग्लेशियरों के नीचे की जमीन का नक्शा बनाया और चौंकाने वाले नतीजे पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब इस बर्फ का कुछ हिस्सा गायब हो जाएगा तो पृथ्वी पर 56,659 नई झीलें बनेंगी, जो अभी पूरी तरह से जमी हुई हैं।

इस टीम ने किया विश्लेषण

स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है। उन्होंने जीपीयू और डीप लर्निंग से चलने वाले 'इंस्ट्रक्टेड ग्लेशियर मॉडल' नाम के थ्री-डायमेंशनल आइस फ्लो मॉडल का इस्तेमाल करके ग्लेशियरों के नीचे की जमीन की बनावट का पता लगाया। इस विश्लेषण का मकसद यह समझना था कि अगर ग्लेशियर पूरी तरह से गायब हो जाएंगे तो पृथ्वी की सतह कैसी दिखेगी।

एशिया में खतरा क्यों ज्यादा

रिसर्चर्स ने एशियाई इलाके में ग्लेशियर के किनारों के पास बड़े गड्ढे देखे। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लेशियर के सबसे निचले हिस्से के पास बनने वाली झीलें ज्यादा पानी जमा कर सकती हैं। ये आबादी वाली घाटियों, सड़कों, पनबिजली संयंत्रों, खेती वाले इलाकों और गांवों के करीब हो सकती हैं। हाई माउंटेन एशिया में ग्लेशियर के किनारों के बड़े गड्ढे इसका संकेत हैं कि ग्लेशियर की झील फटने से अचानक बाढ़ आने का खतरा है। इस घटना को अंग्रेजी में GLOF कहा जाता है। ये तब होती हैं, जब ग्लेशियर की झील खाली हो जाती है और घाटी में बड़ी मात्रा में पानी, बर्फ और तलछट बहने लगती है।

क्या कहता है अध्ययन

इस स्टडी का मुख्य नतीजा यह था कि भविष्य में 56,659 ऐसी झीलें बन सकती हैं, जिनका कम से कम एरिया 0.05 वर्ग किलोमीटर होगा। ये भविष्य की झीलें 40,647 वर्ग किलोमीटर जगह घेर सकती हैं और इनमें 3,138 घन किलोमीटर तक पानी जमा हो सकता है। यह मात्रा समुद्र के जलस्तर में 7 मिलीमीटर की बढ़ोतरी के बराबर है, जो सीधे महासागरों में बहने के बजाय इन प्राकृतिक जलाशयों में कुछ समय के लिए जमा रहेगा। इसका मतलब है कि बर्फ से मुक्त होने वाली नई जमीन का 6% हिस्सा झीलों से ढका हो सकता है। स्टडी में इस संख्या की तुलना उन इलाकों में झीलों के कवरेज के ग्लोबल औसत से की गई है, जहां ग्लेशियर नहीं हैं। यह औसत लगभग 2 प्रतिशत है। एशिया के पहाड़ी इलाके चिंता का सबब हैं। स्टडी में ऊंचे पहाड़ी एशियाई इलाके को संवेदनशील माना गया है।

छोटी सी जलन में पति ने 20 साल तक घर में नहीं बोला एक भी शब्द

टोक्यो। जापान के नारा शहर में रहने वाले ओटो कातायामा ने अपनी पत्नी युमी से पूरे 20 साल तक सिर्फ, इसलिए बातचीत नहीं की, क्योंकि उन्हें अपने ही नवजात बच्चों से जलन होने लगी थी। साल 1997 से शुरू हुआ यह अजीबोगरीब सिलसिला तब खुला जब उनके 18 वर्षीय सबसे छोटे बेटे योशिकी ने 2017 में एक टेलीविजन रियलिटी शो 'टीवी होक्काइडो' को पत्र लिखकर मदद मांगी। टीवी शो के मेकर्स दोनों को नारा पार्क की उसी पुरानी बेंच पर ले गए जहां दशकों पहले वे अपनी पहली रोमांटिक डेट पर मिले थे। छिपे हुए कैमरों और रोते हुए बच्चों के सामने ओटो ने 20 साल बाद अपना पहला वाक्य बोला- 'कुछ ऐसा समय हो गया है जब हमने आपस में बात की थी।' उन्होंने स्वीकार किया कि पत्नी का पूरा ध्यान बच्चों पर चले जाने से वे खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे और इसी बचकाने अहंकार में उन्होंने बोलना बंद कर दिया था।

खामोशी के बीच हुआ तीसरे बच्चे का जन्म

इस दो दशक लंबे गतिरोध के दौरान दोनों एक ही छत के नीचे रहे, तीन बच्चों की परवरिश की और रोज साथ खाना भी खाया। यहां तक कि इस खामोशी के बीच ही उनके तीसरे बच्चे का जन्म भी हुआ था। लेकिन, बातचीत के नाम पर ओटो अपनी पत्नी के सवालों का जवाब कभी वाक्यों में नहीं देते थे। वे केवल अपना सिर हिलाते या सिर्फ 'कूं-कूं') जैसी अधूरी आवाजें निकालकर रह जाते थे।

अफ्रीका महाद्वीप के बीचों-बीच फटी धरती

अदीस अबाबा। उत्तरी इथियोपिया के सुदूर अफार डिप्रेशन में प्रकृति का एक ऐसा दुर्लभ और अद्भुत नजारा देखने को मिल रहा है, जो अमूमन लाखों-करोड़ों सालों में घटित होता है। यहां अफ्रीकी महाद्वीप धीरे-धीरे दो हिस्सों में बंट रहा है और एक नए महासागर का जन्म हो रहा है। आमतौर पर नदियों, समुद्रों और पर्वतों के निर्माण जैसी भूगर्भीय प्रक्रियाएं बहुत धीमी गति से होती हैं, लेकिन हॉर्न ऑफ अफ्रीका के पास अफार ट्राएंगल में यह बदलाव बेहद हैरान करने वाली रफ्तार से देखने को मिला है। सितंबर 2005 में डब्बाहु ज्वालामुखी में हुए विस्फोट और उसके बाद आए तीव्र भूकंपीय झटकों ने पृथ्वी की ऊपरी परत को चीर दिया।

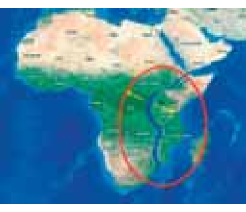

100 मीटर तक नीचे धंस गई जमीन

इसके बाद के कुछ महीनों में रेगिस्तान की सतह पर सैकड़ों छोटी-बड़ी दरारें उभरीं और जमीन 100 मीटर तक नीचे धंस गई। इसी दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि धरती की गहराइयों से पिघला हुआ मैग्मा ऊपर आ रहा है, जो आगे चलकर बेसाल्टिक समुद्री तल का रूप ले रहा है।

अंटार्कटिका की बर्फ में दिखा विशाल विशालकाय पक्षी

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। नासा और इसरो के सिंथेटिक अपर्चर रडार सैटेलाइट ने पूर्वी अंटार्कटिका की एक शानदार तस्वीर ली है, जिसमें जमी हुई जमीन पर पंख फैलाए एक विशाल पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे रही है।निसार के वैज्ञानिकों ने इसे 'हमिंगबर्ड' नाम दिया है। यह अद्भुत आकृति कोई असली पक्षी नहीं है, बल्कि पहाड़, बर्फ और रडार टेक्नोलॉजी का एक अनोखा मेल है जो पृथ्वी के बर्फीले महाद्वीप की छिपी हुई जानकारियों को सामने लाता है। यह आकृति पूर्वी अंटार्कटिका की बर्फ की चादर के ऊपर उठी हुई एक चट्टानी पर्वत चोटी है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'नुनाटक ज़ातेरजावशिज्जा' कहा जाता है। बर्फ से बाहर निकली ऐसी खुली चोटियों को 'नुनाटक' कहते हैं। जब ग्लेशियर उत्तर-पूर्व की ओर समुद्र की तरफ बहते हैं तो यह उठा हुआ पहाड़ उनके रास्ते में एक बाधा बनता है। इस वजह से इसके आसपास की गतिशील बर्फ पर भारी दबाव पड़ता है। अगस्त 2025 में निसार के एडवांस्ड L-बैंड रडार से ली गई इस तस्वीर में 'नुनातक ज़तेरजावशिज्या' दिखाई दे रहा है।

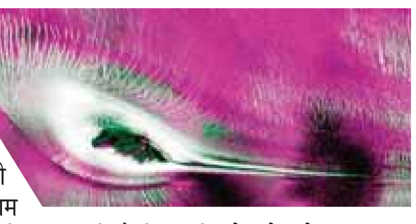

तस्वीर में दिखने वाले रंगों का क्या मतलब है?

नासा और इसरो ने बताया है कि यह तस्वीर सूरज के प्रकाश के बजाय माइक्रोवेव संकेतों का उपयोग करके ली गई है, जो विभिन्न प्रकार की बर्फ की सतहों में अंतर दिखाती है। सामान्य उपग्रहों या कैमरों से देखने पर यह पूरा इलाका केवल सफेद बर्फ जैसा दिखता है। लेकिन, निसार की रडार तकनीक ने इसे अलग-अलग रंगों में दिखाया है। यह रंग चिकनी सतहों से टकराकर लौटने वाले सिग्नलों को दर्शाते हैं। वहीं, सफेद क्षेत्र उन गहरी दरारों और खुरदरे हिस्सों को दिखाते हैं, जहां रडार की तरंगें आंतरिक बर्फीली संरचनाओं से टकराकर बिखर जाती हैं।

हैरानी — फिर भी इसे देखने को बेताब रहते हैं लोग!

सबसे अकेला घर, चारों ओर सिर्फ समुद्र, न पड़ोसी न सड़क

न्यूयार्क। दुनिया में ऐसे कई घर हैं, जो अपनी बनावट, लोकेशन या इतिहास की वजह से लोगों को हैरान कर देते हैं। कहीं पहाड़ की चोटी पर घर बना है, तो कहीं समुद्र के बीच एक छोटा-सा मकान नजर आता है। कुछ घर पेड़ों पर बने हैं, तो कुछ बर्फीले इलाकों में लोगों का ध्यान खींचते हैं। लेकिन, आइसलैंड का एक सफेद रंग का छोटा-सा घर इन सबसे अलग माना जाता है। पहली नजर में इसे देखकर लगता है कि यहां कोई रहस्यमयी अरबपति रहता होगा या फिर यह किसी हॉलीवुड फिल्म का सेट होगा। हालांकि, इसकी असली कहानी इंटरनेट पर फैली अफवाहों से बिल्कुल अलग है। सोशल मीडिया पर इन दिनों यह अनोखा घर एक बार फिर चर्चा में है, जिसे दुनिया के सबसे अकेले घरों में से एक माना जाता है। दरअसल, यह अनोखा घर आइसलैंड के दक्षिणी तट से दूर स्थित एलिडाए नाम के छोटे से द्वीप पर बना हुआ है। चारों तरफ सिर्फ समुद्र, ऊंची चट्टानें और तेज हवाएं दिखाई देती हैं। इस द्वीप पर कोई स्थायी आबादी नहीं रहती. यहां तक पहुंचने के लिए भी केवल नाव का सहारा लेना पड़ता है। खराब मौसम में यहां नाव उतारना भी बेहद मुश्किल माना जाता है। यही वजह है कि यह जगह दुनिया की सबसे अलग-थलग और शांत जगहों में गिनी जाती है।

अकेलेपन का सबसे खूबसूरत प्रतीक

एलिडाए द्वीप पर बना यह छोटा-सा सफेद घर आज आइसलैंड की प्राकृतिक खूबसूरती और शांत जीवन का प्रतीक बन चुका है। यहां न शहरों का शोर है, न ट्रैफिक और न ही भीड़भाड़ सिर्फ समुद्र की लहरों की आवाज, ठंडी हवाएं और प्रकृति का अद्भुत नजारा दिखाई देता है। यही कारण है कि यह घर दुनिया के सबसे अनोखे और सबसे अलग-थलग बने घरों की सूची में हमेशा शामिल रहता है। सोशल मीडिया पर हमेशा ये दावा किया जाता है कि यह घर किसी अरबपति का प्राइवेट घर है या फिर सालों से ये वीरान पड़ा हुआ है। लेकिन सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। यह सफेद घर दरअसल एलीडाए हंटिंग एसोसिएशन का एक हंटिंग लॉज है। इसे 1950 के दशक में बनाया गया था। जब पफिन नाम के समुद्री पक्षियों के शिकार का मौसम आता है, तब इस संस्था के सदस्य कुछ दिनों के लिए यहां रुकते हैं। यानी यह घर रोजमर्रा की जिंदगी के लिए नहीं, बल्कि अस्थायी ठहरने के लिए बनाया गया है।

न बिजली, न पानी फिर भी है रहने की व्यवस्था

इस घर की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां आधुनिक सुविधाएं लगभग हैं ही नहीं हैं। घर में न बिजली की लाइन है, न पाइप से आने वाला पानी और न ही सीवर सिस्टम। जरूरत के लिए बारिश का पानी इकट्ठा किया जाता है और उसी का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, इतनी सादगी के बीच भी यहां एक पारंपरिक सॉना बनाया गया है, जहां ठंड से राहत पाने के लिए लोग बैठते हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद यह छोटा-सा घर कुछ दिनों तक आराम से रहने लायक सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

इस द्वीप के चारों ओर ऊंची-ऊंची चट्टानें, समुद्री पक्षियों की बड़ी कॉलोनियां और दूर-दूर तक फैला उत्तरी अटलांटिक महासागर दिखाई देता है। यहां इंसानों की भीड़ नहीं, बल्कि प्रकृति की शांति सुनाई देती है। यही वजह है कि फोटोग्राफर, ट्रैवलर और एडवेंचर पसंद करने वाले लोग इस जगह की तस्वीरें देखकर आकर्षित हो जाते हैं। हालांकि, आम लोगों के लिए यहां पहुंचना आसान नहीं है, लेकिन इंटरनेट की वजह से यह घर पूरी दुनिया में मशहूर हो चुका है।